896/886

दैनिक जागरण
जागरण सिटी
03-07-2017

कृषि मंत्री ने जल उपचार संयंत्र का किया उद्घाटन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर में पर्यावरण अनुकूल तकनीक पर आधारित अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र का उद्घाटन करते केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह।

- पर्यावरण अनुकूल तकनीक का पूसा संस्थान ने ही किया विकास
- फसल के बीच उगाई जा सकने वाली मूंग की किस्मों की ली जानकारी

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर में पर्यावरण अनुकूल तकनीक पर आधारित अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (इको फ्रेंडली वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) का उद्घाटन केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने किया। परिसर में बने इस संयंत्र में रोजाना 2.2 मिलियन दूषित पानी के शोधन की क्षमता है। इस संयंत्र की तकनीक पूसा द्वारा विकसित की गई है। इसमें परंपरागत शोधन संयंत्र की तुलना में उर्जा की खपत महज एक फीसद होती है तथा लागत आधी से भी कम होती है। इस अवसर पर कृषि व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री डॉ संजीव कुमार बाल्यान, केंद्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एस अय्यप्पन, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक डॉ एचएस गुप्ता सहित अनेक वैज्ञानिक उपस्थित थे।

उद्घाटन के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री पूसा परिसर में करीब तीन घंटे रहे। इस दौरान उन्होंने पूसा में विकसित विभिन्न किस्मों, नई तकनीकों की जानकारी ली तथा सूखे की संभावित स्थिति से निपटने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। वैज्ञानिकों ने उन्हें मूंग की उन किस्मों से अवगत कराया जिसका किसान गेहूं व धान की फसल के बीच भीषण गर्मी में भी खेती कर लाभ उठा सकते हैं। इससे देश दलहन के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा वहीं किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी और फसल विविधिकरण भी संभव हो सकेगा।

सूखे के बारे में बयान से पलटे मंत्री

केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह सूखे के बावत पूर्व में दिए गए उस बयान से पलट गए जिसमें उन्होंने देश के कुछ हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति पैदा होने की बात कही थी। कृषि मंत्री ने कहा कि अभी जुलाई शुरू ही हुआ है। बारिश तो अब होगी। ऐसे में सूखे के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

प्रतिलिपि :-
1 निदेशक कार्यालय
2- संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3- अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. प्रभारी पी-पी-आई
5- प्रभारी कैटैट
6 प्रभारी यू. एस. आई
7. अध्यक्ष डब्ल्यू टी-सी.

प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग